ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
गोविंद बल्लभ पंत कृषि और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय
उधम सिंह नगर, पंतनगर, उत्तराखंड

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 02-11-2021

उधम सिंह नगर(उत्तराखंड) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2021-11-02 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2021-11-03	2021-11-04	2021-11-05	2021-11-06	2021-11-07
वर्षा (मिमी)	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0
अधिकतम तापमान(से.)	30.0	29.0	29.0	28.0	28.0
न्यूनतम तापमान(से.)	14.0	13.0	13.0	13.0	13.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	70	65	60	65	65
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	50	45	45	40	40
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	6.0	6.0	6.0	6.0	8.0
पवन दिशा (डिग्री)	130	320	320	320	320
क्लाउड कवर (ओक्टा)	2	1	1	1	2

मौसम सारांश / चेतावनी:

विगत सात दिनों (26 अक्टूबर – 1 नवम्बर, 2021) में 0.0 मिमी वर्षा होने व आसमान साफ रहने के साथ आंशिक बादल छाये रहे। अधिकतम तापमान 29.0 से 33.0 डि0से0 एवं न्यूनतम तापमान 13.4 से 15.4 डि0से0 के बीच रहा तथा वायु में सुबह 0712 बजे सापेक्षित आर्द्रता 89 से 94 प्रतिशत व दोपहर 1412 बजे सापेक्षित आर्द्रता 22 से 48 प्रतिशत एवं हवा 0.5 से 3.2 कि0मी0 प्रति घंटा की गति से मुख्यतः पश्चिम-दक्षिण-पश्चिम व पश्चिम-उत्तर-पश्चिम दिशा से चली। आगामी पांच दिनों में मौसम साफ रहेगा। अधिकतम एवम् न्यूनतम तापमान क्रमश: 28.0 से 30.0 व 13.0 से 14.0 डिग्री सेल्सियस रहेगा| हवा के 6.0 किमी/घंटे की गति से दक्षिण-पूर्व व उत्तर-पश्चिम दिशा से चलने का अनुमान है।

सामान्य सलाहकार:

किसान भाई पिछले सप्ताह के मौसम, मौसम पूर्वानुमान और मौसम आधारित कृषि सलाह प्राप्त करने के लिए "मेघदूत ऐप" तथा आकाशीय बिजली के पूर्वानुमान हेतु "दामिनी एप" डाउनलोड करें। मेघदूत व दामिनी ऐप को गूगल प्ले स्टोर (एंड्रॉइड उपयोगकर्ताओं) और ऐप सेंटर (आईओएस उपयोगकर्ताओं) से डाउनलोड किया जा सकता है| भारतीय मौसम विज्ञान विभाग से प्राप्त एनडीवीआई व एसपीआई मानचित्रों ने संकेत दिया कि उधम सिंह नगर के लिए एनडीवीआई 0.2-0.45 के बीच है, यानी जिले में कृषि स्थिति मध्यम से अच्छी है। किसान भाई धान की कटाई और मड़ाई करे तथा भंडारण की उचित व्यवस्था करे । गेहूँ व दलहनी फसलों की बुवाई करें। रबी फसलों की तैयारी के लिए खेत की जुताई करने के तुरंत बाद पाटा अवश्य लगाएं ताकि मिट्टी से नमी का ह्रास न हो।

लघु संदेश सलाहकार:

आगामी पांच दिनों में मौसम शुष्क रहेगा अत: किसान भाई बुवाई करते समय मिट्टी में नमी की स्थिति को ध्यान में रखे और उचित नमी बनायें रखें व जौ की बुवाई पूर्ण करें।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
गेहूँ	असिंचित दशा में गेंहूँ की फसल की बुवाई माह के प्रथम सप्ताह तथा सिंचित दशा में प्रथम पखवाड़े में करें।
जौ	असिंचित दशा में फसल की बुवाई माह के प्रथम सप्ताह में करें।
सरसों	देर से बोई गई तोरिया व पीली सरसों की फसल में फूल आने से पूर्व हल्की सिंचाई करें तथा सिंचाई के पश्चात् संस्तुत मात्रा में नत्रजन की टॉप ड्रेसिंग करें।
चावल	देर से बोई गई धान की कटाई अविलम्ब करें ताकि रबी फसलो की बुवाई समय से कर सकें। कटाई मे विलम्भ न करें, अन्यथा दाने झड़ने लगते है।
अरहर (लाल चना/अरहर)	अरहर की अगेती प्रजातियों में 75-80 प्रतिशत फलियाँ पकने पर फसल की कटाई कर लें तथा अच्छी तरह पकाने के बाद गहाई कर दाने निकाल लें।
गन्ना	पेड़ी गन्ने के रस में ब्रिक्स की मात्रा 18 प्रतिशत होने पर फसल की कटाई कर लें तथा नौलख फसल में आवश्यकतानुसार सिंचाई कर लें।
सोयाबीन	सोयाबीन की देर से बोई गई फसल की कटाई कर लें।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
सब्जी पीईए	अगेती मटर की देखभाल करें। जिन क्षेत्रों में बुवाई नही हुई है वहां बीज की बुवाई करें। तराई क्षेत्र मे बुवाई द्वितीय सप्ताह तक अवश्य कर लें जिसके लिए 80-90 किग्रा बीज/हैक्टर की आवश्यकता होती है।
गोभी	फूलगोभी की अगेती एवं मध्यम अगेती फसल की सिंचाई करें, खरपतवार निकाले एवं तैयार फूलो को तोड़कर बाजार भेंजे।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
गाय	जुलाई माह मे पैदा हुए 4-6 माह के बछियों को संक्रामक गर्भपात का टीकाकरण नवम्बर माह तक अवश्य करा दें। किसी भी टीकाकरण के दो हफते पहले पशुवत्सो को पिपराजीन नामक कृमिनाशक दवा प्राथमिकता के आधार पर दें क्योकिं ये दवाई गोल कृमिनाशक के रुप में काफी प्रभावी पायी गयी है।
भेंस	पशुओं को हरा चारा में सूखा चारा अवश्य मिलाकर दें। अन्यथा आफरा (टिम्पेती) हो सकती है व पनीले दस्त हो सकते है, जिसकी वजह से उनकी मृत्यु हो सकती है।

मुर्गी पालन विशिष्ट सलाह:

मुर्गी पालन	मुर्गी पालन विशिष्ट सलाह
मुर्गी	मुर्गियों में फफूँदजनित आहार देने से अपलाटॉक्सीकोशिश हो जाती है जिसकी वजह से काफी संख्या में उनकी मृत्यु होने की संभावना होती है। ऐसे में मुर्गियों को पशुचिकितसक की सलाह से दवा दें।